



8 August, 2024

प्रसारण सेवा विधेयक 2024 का मसौदा

संदर्भ: प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक 2024 का उद्देश्य केबल टेलीविजन नेटवर्क (विनियमन) अधिनियम 1995 को प्रतिस्थापित करना और नई संहिता द्वारा समाचार और समसामयिक मामलों के प्रसारण को विनियमित करना है।

प्रमुख विशेषताएँ

- **डिजिटल समाचार प्रसारकों की परिभाषा:**
 - इसमें ऑनलाइन समाचार पत्रों, समाचार पोर्टलों, वेबसाइटों और सोशल मीडिया मध्यस्थों के माध्यम से समाचार और समसामयिक विषयों की सामग्री का प्रकाशक शामिल हैं।
 - इसमें प्रतिकृति ई-पेपर शामिल नहीं है।
- **आचार संहिता:**
 - वर्तमान में बॉम्बे और मद्रास उच्च न्यायालयों की रोक के बावजूद आईटी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021 से आचार संहिता को बनाए रखने की मांग की गई है।
- **सामग्री मूल्यांकन समिति (सीईसी):**
 - विषय-वस्तु संहिता का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्तों के गठन को अनिवार्य बनाया गया है।
 - 3-स्तरीय विनियमन संरचना स्थापित की गई है जिसमें सीईसी, स्व-नियामक संगठन और प्रसारण सलाहकार परिषद शामिल है।
 - प्राथमिक गैर-अनुपालन के लिए 50 लाख रुपये का जुर्माना और तीन वर्षों के भीतर लगातार उल्लंघन के लिए 2.5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

ओटीटी प्लेटफॉर्म की स्थिति

- आईटी नियम 2021 के अनुसार ओटीटी प्लेटफॉर्म को अब 'इंटरनेट प्रसारण सेवाओं' के तहत नहीं बल्कि 'ऑनलाइन चयनित सामग्री के प्रकाशक' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सामग्री में समाचार और समसामयिक कार्यक्रम शामिल नहीं होते हैं।

मसौदा विधेयक का दायरा बढ़ाया गया -

- **2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान खबरें:**
 - इसमें वे स्वतंत्र रचनाकार शामिल हैं जिन्होंने सरकार के बारे में महत्वपूर्ण दावे किए हैं, जिससे मुख्यधारा के मीडिया के साथ जवाबदेही और समान व्यवहार की आवश्यकता होती है।
- **बड़ी टेक कंपनियों द्वारा सामग्री का विस्तार:**
 - एल्गोरिदम द्वारा कुछ कहानियों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने की चिंताओं को संबोधित किया गया तकनीकी कंपनियों का दावा है कि एल्गोरिदम उपयोगकर्ता के ब्राउज़िंग इतिहास पर आधारित होते हैं।

यूट्यूब क्रिएटर्स और सोशल मीडिया अकाउंट्स को शामिल करना -

- वर्ष 2024 का मसौदा सोशल मीडिया खातों और ऑनलाइन वीडियो क्रिएटर्स तक विस्तारित है।
- "डिजिटल समाचार प्रसारक" की परिभाषा में ऑनलाइन समाचार प्रकाशित करने वाले व्यक्ति और संस्थाएं शामिल हैं।
- यह "व्यवस्थित गतिविधि" की व्यापक परिभाषा व्यापक सरकारी निगरानी की अनुमति देती है।

- इसमें व्यक्तिगत रचनाकारों को डिजिटल समाचार प्रसारकों की परिभाषा में शामिल किया गया है।
- इसमें एमआईबी को अधिसूचना देना तथा निर्माता के खर्च पर मुख्य चुनाव आयुक्तों का गठन करना अनिवार्य है।
- सीईसी आवश्यकताओं का बार-बार अनुपालन न करने पर 2.5 करोड़ रुपये तक का जुर्माना निर्धारित किया गया।
- सामग्री संहिता दायित्वों के लिए पिछली सीमा को हटा दिया गया है, जिससे सभी डिजिटल समाचार प्रसारकों के लिए पंजीकरण अनिवार्य हो गया है।

सोशल मीडिया कंपनियों के लिए आवश्यकताएँ

- यदि तृतीय पक्ष सामग्री को आरंभ किए बिना, चयन किए बिना या संशोधित किए बिना पहुंच प्रदान करते हैं, तो सरकारी आदेशों को छोड़कर, उत्तरदायित्व से छूट।
- सरकारी आदेशों का पालन करना होगा और उचित सावधानी बरतनी होगी।
- ओटीटी और डिजिटल समाचार प्रसारकों के बारे में जानकारी न देने पर आपराधिक दायित्व का सामना करना पड़ेगा।

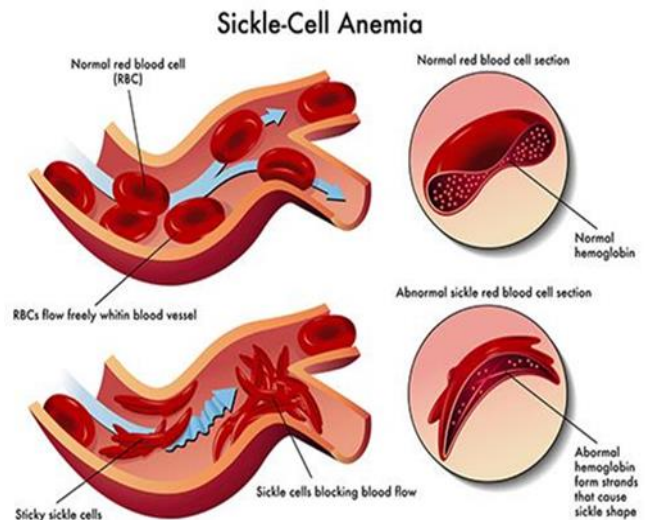
अन्य देशों के साथ तुलना

- **सिंगापुर :** यह देश पारंपरिक प्रसारकों और ओटीटी सामग्री प्रदाताओं दोनों को नियंत्रित करता है, ओटीटी प्लेटफॉर्मों को पारंपरिक प्रसारकों की तुलना में कम दायित्वों के साथ लाइसेंस की आवश्यकता होती है।
- **संयुक्त राज्य अमेरिका:** यह एफसीसी प्रसारण रेडियो और टीवी को नियंत्रित करता है, ओटीटी प्लेटफॉर्मों को सीधे संचयी कानूनों द्वारा विनियमित नहीं किया जाता है, हालांकि कुछ राज्यों में विशिष्ट नियम हो सकते हैं।

रक्त की लाल कोशिकाओं की कमी

संदर्भ : 31 जुलाई तक, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने राज्यसभा को बताया कि 17 चिन्हित राज्यों में 3.85 करोड़ लोगों की सिकल सेल एनीमिया के लिए जांच की गई है।

- **परिभाषा :** सिकल सेल एनीमिया एक वंशानुगत विकार है जो लाल रक्त कोशिकाओं को प्रभावित करता है, जिससे वे कठोर, चिपचिपी हो जाती हैं और उनका आकार दरांती (sickles) या अर्धचंद्र जैसा हो जाता है, जिससे ऑक्सीजन ले जाने की उनकी क्षमता क्षीण हो जाती है।



Face to Face Centres





8 August, 2024

➤ लक्षण

- **एनीमिया** : लाल रक्त कोशिकाएं तेजी से टूटती हैं, जिससे लाल रक्त कोशिकाओं की कमी और थकान होती है।
- **दर्द संबंधी संकट** : जब सिकल कोशिकाएं रक्त प्रवाह को अवरुद्ध कर देती हैं, तो गंभीर दर्द की स्थिति उत्पन्न होती है, जिसकी तीव्रता और अवधि अलग-अलग हो सकती है।
- **सूजन** : रक्त संचार अवरुद्ध होने के कारण हाथ-पैर सूज सकते हैं।
- **बार-बार संक्रमण** : क्षतिग्रस्त प्लीहा से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है; रोकथाम के लिए आमतौर पर टीके और एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग किया जाता है।
- **विलंबित विकास या यौवन** : अपर्याप्त लाल रक्त कोशिकाएं बच्चों में विकास को धीमा कर सकती हैं और किशोरों में यौवन में देरी कर सकती हैं।
- **दृष्टि संबंधी समस्याएं** : आंखों में रक्त वाहिकाओं के अवरुद्ध होने से दृष्टि संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

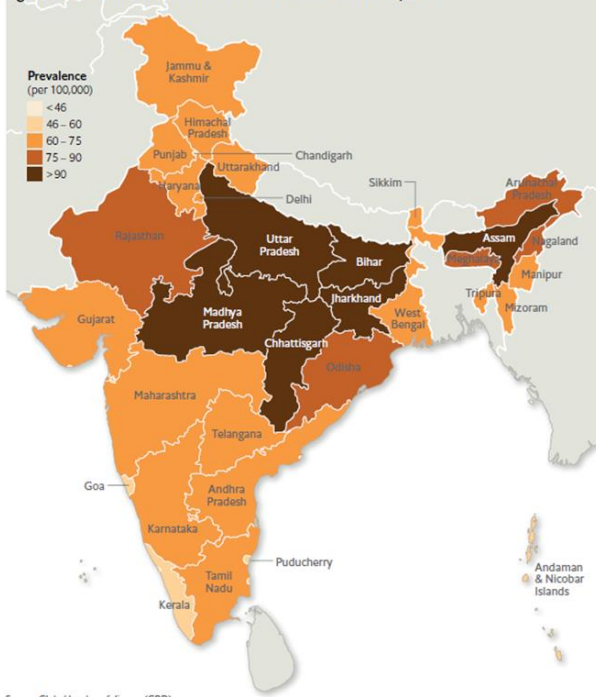
➤ कारण

- **आनुवंशिक उत्परिवर्तन** : हीमोग्लोबिन के उत्पादन के लिए जिम्मेदार जीन में परिवर्तन के कारण लाल रक्त कोशिकाओं का आकार विकृत हो जाता है।
- **वंशानुक्रम** : सिकल सेल एनीमिया ऑटोसोमल रिसेसिव तरीके से वंशागत होता है।
- **जीन वेरिएंट** : प्रत्येक कोशिका में जीन की दोनों प्रतियों में विकार उत्पन्न करने के लिए वेरिएंट होना चाहिए।
- **वाहक माता-पिता** : प्रत्येक माता-पिता में परिवर्तित जीन की एक प्रति होती है, लेकिन आमतौर पर उनमें इस स्थिति के लक्षण प्रदर्शित नहीं होते हैं।

➤ जोखिम

- **जातीय पृष्ठभूमि** : अफ्रीकी, भूमध्यसागरीय और मध्य पूर्वी मूल के लोगों में सबसे आम है।

Figure 3: Prevalence of sickle cell disease across Indian states, 2017



Source: Global burden of disease (GBD).

➤ जटिलताएँ

- **स्ट्रोक** : मस्तिष्क में रक्त प्रवाह अवरुद्ध होने से गंभीर लक्षण उत्पन्न हो सकते हैं और यह घातक भी हो सकता है।
- **एक्यूट चेस्ट सिंड्रोम** : यह फेफड़ों में संक्रमण या फेफड़ों में रक्त वाहिकाओं के अवरुद्ध होने के कारण होने वाली जीवन-धमकाने वाली स्थिति है।
- **एवस्कुलर नेक्रोसिस** : यह रक्त की आपूर्ति की कमी के कारण हड्डी के ऊतकों की मृत्यु, जो आमतौर पर कूल्हे को प्रभावित करती है।
- **फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप** : यह फेफड़ों में उच्च रक्तचाप, जो आमतौर पर वयस्कों को प्रभावित करता है।
- **अंग क्षति** : इससे ऑक्सीजन युक्त रक्त की कमी से गुर्दे, यकृत और तिल्ली जैसे अंग क्षतिग्रस्त हो सकते हैं।
- **प्लीहा पृथक्करण** : इसमें प्लीहा में फंसी कोशिकाएं वृद्धि और दर्द का कारण बन सकती हैं।
- **अंधापन** : आंखों में रक्त वाहिकाओं के अवरुद्ध होने से दृष्टि हानि हो सकती है।
- **पैर के अल्सर** : इससे पैरों पर दर्दनाक घाव होता है।
- **पित्ताशय की पथरी** : लाल रक्त कोशिका के टूटने से उच्च बिलिरुबिन (Bilirubin) स्तर पित्ताशय की पथरी का कारण बन सकता है।
- **प्रियापिज्म** : अवरुद्ध रक्त वाहिकाओं के कारण दर्दनाक, लंबे समय तक चलने वाला इरेक्शन होना।
- **डीप वेन थ्रोम्बोसिस** : इससे नसों और फेफड़ों में रक्त के थक्के जमने का खतरा बढ़ जाता है।
- **गर्भावस्था संबंधी जटिलताएँ** : उच्च रक्तचाप, रक्त के थक्के, गर्भपात, समय से पहले जन्म और जन्म के समय कम वजन का खतरा बढ़ता है।

➤ रोकथाम

- **आनुवंशिक परामर्श** : सिकल सेल लक्षण वाले व्यक्तियों को गर्भावस्था से पहले जोखिम, उपचार और प्रजनन विकल्पों को समझने के लिए आनुवंशिक परामर्शदाता से परामर्श करना चाहिए।

जैव-बिटुमेन

संदर्भ : सरकार पेट्रोलियम आधारित बिटुमेन में 35% तक लिग्निन मिलाने की अनुमति देगी, जिसका अधिकांश हिस्सा आयात किया जाता है।

- **बिटुमेन की खपत** : भारत में प्रतिवर्ष 88 लाख टन बिटुमेन का उपयोग होता है, जिसके 100 लाख टन तक पहुंचने की उम्मीद है। 50% आयात किया जाता है, जिसकी लागत 25,000-30,000 करोड़ रुपये है।
- **जैव-बिटुमेन** :
 - कृषि और वानिकी अवशेषों जैसे नवीकरणीय सामग्रियों से निर्मित पेट्रोलियम-व्युत्पन्न बिटुमेन का टिकाऊ, पर्यावरण-अनुकूल विकल्प है।
 - धान के भूसे से विकसित यह कोलतार 35% तक पारंपरिक कोलतार की जगह ले सकता है, जिससे संभावित रूप से 10,000 करोड़ रुपये की बचत होगी।
- **लिग्निन का उपयोग** : सरकार बिटुमेन में 35% तक लिग्निन की अनुमति देगी, जिससे आयात कम होगा और किसानों को सहायता मिलेगी।

➤ उत्पादन विधियाँ

- **पायरोलिसिस** : ऑक्सीजन के बिना उच्च तापमान पर कार्बनिक पदार्थों का विघटन, जैव-बिटुमेन के लिए जैव-तेल का उत्पादन किया जाता है।

Face to Face Centres





8 August, 2024

- **हाइड्रोथर्मल द्रवीकरण:** उच्च दबाव और तापमान के तहत बायोमास को तरल में परिवर्तित करता है, जिसके परिणामस्वरूप बायो-क्रूड को बायो-बिटुमेन में परिष्कृत किया जाता है।
- **किण्वन और जैव रासायनिक प्रक्रियाएं:** इसमें सूक्ष्मजीवों का उपयोग करके जैव-तेल में बायोमास को तोड़ा जाता है, जिसे बाद में जैव-बिटुमेन में संसाधित किया जाता है।

➤ सड़क निर्माण में लाभ

- **पर्यावरणीय स्थिरता:**
 - **ग्रीनहाउस गैस में कमी:** नवीकरणीय स्रोतों से कार्बन उत्सर्जन में कमी होती है।
 - **जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता में कमी:** ऊर्जा सुरक्षा और विविधीकरण को बढ़ावा मिलता है।
- **अपशिष्ट उपयोग:**
 - **कृषि अवशेष:** पुआल और भूसी जैसे फसल अवशेषों का उपयोग किया जाता है।
 - **वानिकी अपशिष्ट:** इसमें लकड़ी का अपशिष्ट और उपोत्पाद शामिल हैं।
- **आर्थिक लाभ:**
 - **स्थानीय उत्पादन:** यह परिवहन लागत कम करता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को समर्थन देता है।

- **लागत प्रभावी:** अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग करता है, जिससे उत्पादन लागत में कमी आती है।

● प्रदर्शन और स्थायित्व:

- **तुलनीय गुण:** स्थायित्व, लचीलापन और तापमान प्रतिरोध में पारंपरिक बिटुमेन से मेल खा सकता है या उससे आगे निकल सकता है।
- **बेहतर सड़क गुणवत्ता:** इससे सड़क की गुणवत्ता बेहतर होगी और रखरखाव लागत कम होगी।

➤ पराली जलाने में कमी लाने में भूमिका

- **पराली प्रबंधन:**
 - **फसल अवशेषों का उपयोग:** यह बायोमास के लिए एक वैकल्पिक उपयोग प्रदान करता है, जिससे पराली जलाने में कमी आती है।
 - **आर्थिक प्रोत्साहन:** यह किसानों को फसल अवशेष बेचने के लिए वित्तीय लाभ प्रदान करता है।
- **पर्यावरणीय प्रभाव:**
 - **इससे वायु प्रदूषण में कमी:** पराली जलाने में कमी, वायु गुणवत्ता में सुधार होता है।
 - **मृदा स्वास्थ्य:** यह जलाने से होने वाले मृदा क्षरण को रोकता है, तथा टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देता है।

Feature	Bitumen	Asphalt	Tar
Source and Composition	Derived from crude oil or natural bitumen deposits.	Mixture of bitumen (binder) and aggregates (e.g., sand, gravel).	Produced from the destructive distillation of coal or other organic materials.
Primary Uses	Binder for asphalt, waterproofing, and sealing.	Used primarily in road construction, paving, and roofing.	Historically used for road construction, sealants, and coatings.
Durability and Performance	Provides excellent adhesive and waterproofing properties; resistant to weathering.	Known for high durability, flexibility, and resistance to water, temperature variations, and heavy loads.	Effective adhesive and waterproofing properties, but less durable compared to modern alternatives.
Environmental Concerns	Safer than tar; some concerns related to emissions and disposal.	Generally safe for construction use; concerns include dust and fumes during application.	Contains harmful chemicals and carcinogens; less commonly used due to environmental and health concerns.
Cost	Can be expensive due to crude oil prices and refining costs.	Typically cost-effective due to its combination with aggregates.	Historically cheaper but often replaced due to environmental concerns.
Production Process	Extracted and refined from crude oil; can be modified with additives.	Produced by combining bitumen with aggregates; various mix designs for different applications.	Produced through distillation or pyrolysis; requires special handling due to toxicity.
Health and Safety	Generally safe with proper handling; concerns about fumes during application.	Safe for use in construction; minor health risks from dust and fumes.	Significant health risks; exposure can lead to respiratory problems and other health issues.
Recycling	Can be recycled in asphalt mix; often reused in road maintenance.	Highly recyclable; old asphalt can be reused in new road construction.	Less commonly recycled; not a preferred material due to environmental impact.
Appearance	Typically black or dark brown, viscous or solid form.	Black or dark grey mixture; appears as a solid road surface.	Dark brown to black, often thick and tarry.

Face to Face Centres



8 August, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज



हाल ही में, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) ने संशोधित निपटान शर्तों (RST) के साथ अपने ट्रेडिंग एक्सेस पॉइंट (TAP) सॉफ्टवेयर के दुरुपयोग की विनियामक जांच को निपटाने के लिए SEBI के समक्ष एक नई याचिका दायर की है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के बारे में:

- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) के साथ भारत के दो प्रमुख स्टॉक एक्सचेंजों में से एक है।
- यह मुंबई, भारत में एक प्रमुख संस्था है, जिसकी स्थापना 1992 में हुई थी और इसने देश के वित्तीय परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- यह अपनी उन्नत ट्रेडिंग तकनीक के लिए जाना जाता है, जिसमें भारत में पूरी तरह से स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग सिस्टम प्रदान करने वाला पहला एक्सचेंज होना भी शामिल है।
- यह निवेशक सुरक्षा और भारतीय पूंजी बाजार परिदृश्य के अनुशासित विकास पर केंद्रित है।
- यह इक्विटी, डेरिवेटिव, मुद्राओं और ऋण प्रतिभूतियों जैसे विभिन्न वित्तीय साधनों को खरीदने और बेचने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

भारतीय गुणवत्ता परिषद



हाल ही में, भारतीय गुणवत्ता परिषद ने राज्य के प्रदर्शन को बढ़ाने और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए QCI राज्य मान्यता और रैंकिंग फ्रेमवर्क लॉन्च किया।

भारतीय गुणवत्ता परिषद के बारे में:

- भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI) एक स्वायत्त, गैर-लाभकारी संगठन है जिसकी स्थापना 1997 में गुणवत्ता को बढ़ावा देने और भारतीय नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए की गई थी।
- इसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय मान्यता संरचना की स्थापना और संचालन करना, राष्ट्रीय गुणवत्ता अभियान की निगरानी करना और उत्पादों, सेवाओं और प्रक्रियाओं के तीसरे पक्ष के आकलन के माध्यम से गुणवत्ता को बढ़ावा देना है।
- यह संगठन 1860 के सोसायटी पंजीकरण अधिनियम XXI के तहत पंजीकृत था।
- यह शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण संरक्षण, शासन, सामाजिक क्षेत्रों और बुनियादी ढांचे सहित कई क्षेत्रों में काम करता है।
- इसका नेतृत्व एक अध्यक्ष और 38 सदस्यों द्वारा किया जाता है जो सरकार, उद्योग संघों, गुणवत्ता पेशेवर निकायों और उपभोक्ता संगठनों सहित विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- इसने भारत के गुणवत्ता केंद्रों का जश्न मनाने, देश की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'गुणवत्ता से आत्मनिर्भरता: भारत का गुणवत्ता आंदोलन' अभियान शुरू किया है।

मुल्लापेरियार बांध

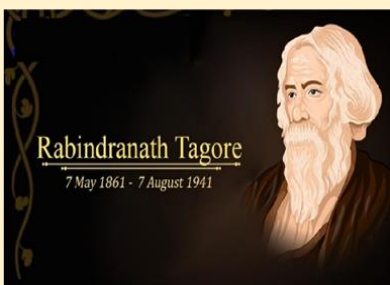


हाल ही में, केरल के कांग्रेस सांसदों ने लोकसभा में सौ साल पुराने मुल्लापेरियार बांध को "पानी का बम" बताया, जिससे नीचे की ओर रहने वाले लाखों लोगों के लिए खतरा पैदा हो गया और तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके के साथ विवाद छिड़ गया।

मुल्लापेरियार बांध के बारे में:

- मुल्लापेरियार बांध, एक चिनाई वाला गुरुत्वाकर्षण बांध है जो केरल में स्थित है।
- इसका निर्माण पेरियार नदी पर किया गया था और इसका उद्देश्य सिंचाई और जलविद्युत उत्पादन के लिए पानी को मोड़ना है।
- बांध का स्वामित्व और संचालन तमिलनाडु राज्य द्वारा त्रावणकोर की तत्कालीन रियासत के साथ एक पट्टा समझौते के तहत किया जाता है।
- 1886 में हस्ताक्षरित पट्टा समझौता, बांध की सुरक्षा और जल बंटवारे पर चिंताओं के कारण केरल और तमिलनाडु के बीच विवाद का स्रोत है।
- बांध का निर्माण 1887 में शुरू हुआ और 1895 में पूरा हुआ, जिससे यह एक सदी से भी अधिक पुराना हो गया।
- इसका निर्माण चूना पत्थर और "सुरखी" (जली हुई ईंट का पाउडर और चीनी और कैल्शियम ऑक्साइड का मिश्रण) से किया गया था।

समाचार में व्यक्तित्व रवींद्रनाथ टैगोर



कल 7 अगस्त को गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी पुण्यतिथि पर याद किया गया।

रवींद्रनाथ टैगोर जन्म (मई 1861-7 अगस्त 1941)

रवींद्रनाथ टैगोर, एक बहुश्रुत, कवि, लेखक, संगीतकार, दार्शनिक थे, जिनका जन्म कोलकाता में एक प्रमुख बंगाली परिवार में हुआ था।

योगदान:

- टैगोर ने पश्चिम बंगाल के शांतिनिकेतन में विश्वभारती विश्वविद्यालय की स्थापना की।
- उनकी सबसे प्रसिद्ध रचना, "गीतांजलि: सॉन्ग ऑफ़ रिम्स" ने उन्हें नोबेल पुरस्कार दिलाया।
- उन्होंने भारत ("जन गण मन") और बांग्लादेश ("अमर सोनार बांग्ला") के राष्ट्रगान की रचना की।
- उनके प्रभाव ने श्रीलंका के राष्ट्रगान को भी प्रेरित किया।
- उन्होंने 2,230 से अधिक गीतों की रचना की, जिन्हें रवींद्र संगीत के रूप में जाना जाता है और हजारों पेंटिंग बनाई।

Face to Face Centres



8 August, 2024

	पुरस्कार और सम्मान: - टैगोर 1913 में साहित्य में नोबेल पुरस्कार जीतने वाले पहले गैर-यूरोपीय थे, मुख्य रूप से उनकी रचना "गीतांजलि" के लिए। - उन्होंने 1915 में ब्रिटिश क्राउन द्वारा नाइटहुड से सम्मानित किया गया था, लेकिन उन्होंने 1919 में जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में इसे त्याग दिया। नैतिक मूल्य: बौद्धिक स्वतंत्रता, आध्यात्मिक सद्भाव, सांस्कृतिक अखंडता, आदि का प्रसार किया।
सुर्खियों में स्थल तुर्की	हाल ही में, तुर्की ने गाजा में नरसंहार के लिए इजरायल पर आरोप लगाने वाले दक्षिण अफ्रीका के मुकदमे में शामिल होने के लिए यू.एन. न्यायालय में अनुरोध दायर किया। तुर्की (राजधानी: अंकारा) स्थान: तुर्की एक अंतरमहाद्वीपीय देश है जो दक्षिणपूर्वी यूरोप और दक्षिणपश्चिमी एशिया दोनों में स्थित है। सीमाएँ: तुर्की की सीमाएँ अज़रबैजान और ईरान (पूर्व), भूमध्य सागर और एजियन सागर (दक्षिणपश्चिम और पश्चिम), काला सागर (उत्तर), जॉर्जिया और आर्मेनिया (उत्तरपूर्व) और इराक और सीरिया (दक्षिणपूर्व) से लगती हैं। भौतिक विशेषताएँ: - माउंट अरारत (अग्री दार्गी) एक निष्क्रिय ज्वालामुखी है और पूर्वी तुर्की का सबसे ऊँचा स्थान है। - लेक वैन तुर्की की सबसे बड़ी झील है। - पामुकाले, जिसका तुर्की में अर्थ है "कपास का महल", दक्षिणपश्चिमी तुर्की में डेनिज़ली प्रांत में एक प्राकृतिक स्थल है और यह क्षेत्र थर्मल स्प्रिंग के पानी के बहने से निकलने वाले कार्बोनेट खनिज के लिए प्रसिद्ध है। 

POINTS TO PONDER

- गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के पूर्णकालिक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के रूप में किसे नियुक्त किया गया है? – **रश्मि रंजन स्वैन**
- 28 अगस्त को दिनेश कुमार खारा की जगह तीन साल की अवधि के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के अध्यक्ष के रूप में किसे नियुक्त किया गया है? – **सी एस सेट्टी**
- लंदन मेटल एक्सचेंज अनुबंधों के विरुद्ध डिलीवरी के लिए किस देश का तांबा पंजीकृत किया जा रहा है? – **डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी)**
- शोधकर्ताओं ने सौर सतह के किस पहलू को बाद के सौर चक्र अधिकतम के दौरान देखे गए सनस्पॉट की संख्या से संबंधित पाया, जो अंतरिक्ष मौसम की भविष्यवाणी करने में मदद कर सकता है?
– **सुपरग्रेनुलर कोशिकाओं की चौड़ाई**
- हाल ही में दुनिया भर के प्रमुख शेयर बाजारों में सबसे तेज गिरावट के पीछे एक कारण क्या था? – **येन कैरी ट्रेड**

Face to Face Centres

